Bihar Board Class 7 Social Science Civics Notes Chapter 10 चलें मण्डी घूमने

पाठ का सार संक्षेप

मण्डी कई प्रकार के होते हैं जैसे -अनाज की मंडी, फल की मंडी, सब्जी मंडी। ये मंडियाँ भी अलग-अलग भामों में बंटी होती है, जैसे फल की मंडी, में चारों तरफ ही देखने को मिलती है पर कहीं पर सिर्फ सेव को कहीं सिर्फ केले। इसी तरह अनाज और सब्जियों की मंडियों में भी जगह बंटी होती है।

हमें जगह-जगह पर ट्रक से माल उतारते या ट्रक पर माल लादते हुए लोग दिख जाएँगे। चावल बिहार का मुख्य खाद्यान्न है। चावल चम्पारण, सिवान, औरंगाबाद, वैशाली आदि जगहों से आती है। छोटे किसान अपने उपयोग भर चावल रखने के बाद शेष चावल छोटे व्यापारियों को बेच देते हैं। फिर छोटे व्यापारी चावल को स्थानीय मंडी के थोक व्यापारी को बेच देते हैं। फिर इन थोक व्यापारियों से चावल शहर के थोक व्यापारियों के पास आता है, फिर वहाँ से खुदरा व्यापारी के पास ।

किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलवाने के लिए सरकार द्वारा फसल के लिए एक न्यूनतम मूल्य निर्धारित किया जाता है। जिसे न्यूनतम समर्थन मूल्य कहा जाता है, इसका उद्देश्य किसानों के हितों की रक्षा करना होता है। सरकारी एजेंसियों द्वारा किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ही फसल खरीदी जाती है। पर बिहार के किसानों को इस योजना का पूरा फायदा नहीं मिल जाता है।

https://www.evidyarthi.in/